आरती प्रेतराज सरकार (संकटहारी) जी की

आरती संकट हारी की, प्रेम प्रभु जन हितकारी की ।
रत्न मय सिंहासन राजै, स्वर्णमय मुकुट शीश भ्राजै ।
गले मणि माल दिव्य साजै, तेज लखि सूर्य चन्द्र लाजै ।
वस्त्र जगमग तनधारी की, आरती संकट हारी की ।
हाथ में धनु कृपाल शरढाल, संग में सेना बड़ी विशाल ।
देखकर भागे भूत कराल, भक्त संकट हर अमित कृपाल ।
भूतपति जग अवतारी की, आरती संकट हारी की ।
आन प्रकटे बालाजी धाम, छा रहा भारत सबमें नाम ।
किये भक्तों के पूरण काम, जयतिजय प्रेतराज बलधाम ।
भक्त उरधाम बिहारी की, आरती संकट हारी की ।
आरती जो करते मन से, क्लेश सब छूटत हैं तन से ।
रहे परिपूरण तन जन से, प्रेम हो प्रभू चरण से ।
सुखद लीला विस्तारी की, आरती संकट हारी की ।

विवरण

जो सबकी भलाई करनेवाले हैं तथा सब में प्रेम रखने वाले हैं, ऐसे संकट को हरने वाले प्रभु की आरती है । जिनका सिंहासन रत्नों से जड़ा हुआ है तथा जिनके सिर पर स्वर्णों से सुसज्जित मुकुट है, जिनके गले में मणियों की माला अनुपम शोभा बिखेर रही है, तथा जिनके तेज से सूर्य एवं चन्द्रमा भी लज्जित हो जाते हैं, ऐसे जगमग वस्त्र को धारण करने वाले एवं संकट को हरने वाले प्रभु की आरती है ।

जिनके हाथ में धनुष एवं बाण है, सर पे ढ़ाल है तथा हाथ में बहुसंख्यक विशाल सेना है, जिन्हें देखकर भूत भी भाग जाता है तथा जो अपने भक्तों का संकट
अनुपम ढंग से हरते हैं, ऐसे अपने सेवकों के रक्षक एवं जग के अवतार

लिए हुए प्रभु की आरती है ।

सभी देशों में अपना भारत देश का नाम सर्वश्रेष्ट है, ऐसे देश में बालाजी धाम में ये प्रगट हुए तथा इन्होंने अपने भक्तों के सभी कार्य पूरा किया जिससे इन प्रेतराज की जय-जयकार होने लगी, ऐसे भक्तों के हृदय में ही रहने वाले प्रभु की आरती है ।

आप हमारे परिपूरक हो, आपके चरणों में हमें सदा प्रेम बना रहें । आपकी लीला अति सुख को देनेवाली है तथा पूर्ण रूप से विस्तृत है, ऐसे संकट को हरने वाले प्रभु की आरती है ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.